भारत छोड़ो आंदोलन

- क्रिप्स प्रस्तावों की असफलता और जापान आक्रमण के बढ़ते हुए खतरे तथा युद्ध कालीन परिस्थितयों के कारण बढ़ती हुई कीमतों और वस्तुओं के अभाव ने भारतीय जनमानस को असंतोष से भर दिया।
- 14 जुलाई 1942 को वर्धा में आयोजित कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में भारत छोड़ो आंदोलन पर एक प्रस्ताव पारित किया गया।
- 6 जुलाई 1942 को वर्धा में महात्मा गांधी ने कांग्रेस की कार्यकारी समिति में अपने 'भारत छोड़ो आंदोलन' का प्रस्ताव पारित किया गया।
- भारत छोड़ो आंदोलन के समय भारत का प्रधान सेनापति लार्ड वेवेल था। भारत छोड़ो का नारा युसुफ मेहर अली ने दिया था।
- 7 अगस्त 1942 को बम्बई के ऐतिहासिक ग्वालियर टैंक मैदान में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की वार्षिक बैठक मौलाना अबुल कलाम आजाद की अध्यक्षता में हुई बैठक में वर्धा प्रस्ताव (भारत छोड़ों) की पुष्टि कर दी गई।
- भारत छोडो आंदोलन को अगस्त क्रांति भी कहा जाता है।
- बम्बई कांग्रेस ने भारत छोड़ो प्रस्ताव को थोड़े बहुत संशोधन के बाद 8 अगस्त 1942 को पारित कर दिया गया।
- इस सम्मेलन में गांधी जी ने करो या मरो (Do or die) का नारा दिया।
- आंदोलन के शुरू होते ही 9 अगस्त 1942 को गांधी जी सहित शीर्ष नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। गांधी जी और सरोजनी नायडू को गिरफ्तार कर आगा खां पैलेस में रखा गया।
- सरकार ने कांग्रेस को गैर कानूनी घोषित कर दिया।
- राजेन्द्र प्रसाद को पटना जेल में रखा गया।
- जय प्रकाश नारायण हजारीबाग सेन्ट्रल जेल की दीवार को फांद कर जय प्रकाश नारायण फरार हो गये तथा भूमिगत होकर आजाद दस्ता का गठन किया।
- 1942 में कांग्रेस के बंबई अधिवेशन में 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव जवाहर लाल नेहरू ने प्रस्तावित किया था।
- 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव का आलेख्य महात्मा गांधी ने बनाया था।
- हिंदू महासभा, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इण्डिया एवं यूनियनिस्ट पार्टी ऑफ पंजाब इन सब ने भारत छोड़ो आंदोलन का समर्थन नहीं किया।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के भारत छोड़ो प्रस्ताव पारित होने के समय मौलाना अबुल कलाम आजाद कांग्रेस के अध्यक्ष थे। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लगातार छः वर्षों तक अबुल कलाम आजाद ही अध्यक्ष बन रहे।
- भारत छोड़ो आंदोलन के समय उषा मेहता ने कांग्रेस रेडियो का प्रसारण किया।
- राम मनोहर लोहिया कांग्रेस रेडियों पर नियमित रूप से कार्यक्रम प्रसारित करते थे।
- आंदोलन के समय चर्चिल इंग्लैण्ड के प्रधानमंत्री थे।
- भारत छोड़ो आंदोलन के समय अमेरिकी पत्रकार लुई फिशर महात्मा गांधी के साथ था।
- भारत छोड़ो आंदोलन के समय ब्रिटिश शासन सामान्तर सरकारें स्थापित की गई –
  1. बलिया में चित्तूपांडे के नेतृत्व में पहली सामांतर सरकार स्थापित हुई।
  2. बंगाल के मिदनापुर जिले के तामलुक में जातीय सरकार स्थापित हुई।
  3. सतारा (महाराष्ट्र) में इस समय की सर्वाधिक दीर्घजीवी समानांतर सरकार स्थापित हुई। इसमें वाई जी चव्हाण, नाना पाटिल प्रमुख नेता थे। यहां की सरकार 1945 तक चली।
- भारत छोड़ो आंदोलन एक स्वतः स्फूर्ति आंदोलन था।
- भारत छोड़ो आंदोलन एक ऐसा आंदोलन था जिसे अधिकारिक रूप से कभी वापस नहीं लिया गया।

- सरकारी दमनचक्र के विरोध में गांधी जी ने आगा खां पैलेस में 10 फरवरी 1943 को 21 दिन के उपवास की घोषणा कर दी। 7 मार्च 1943 को गांधी जी ने सरकार को चकमा देकर भूख हड़ताल समाप्त कर दिया। खराब स्वास्थ्य के कारण 6 मई 1944 को उन्हें कैद से रिहा कर दिया गया।
- गांधी की रिहाई के पूर्व उनकी पत्नी कस्तूरबा और निजी सचिव महादेव देसाई की मृत्यु हो चुकी थी।
- आंदोलन के दौरान 23 मार्च 1943 को मुस्लिम लीग ने 'पाकिस्तान दिवस' मनाने का आह्वान किया। लीग ने 1943 के करांची अधिवेशन में विभाजन करो और छोड़ो' का नारा दिया।

सुभाष चंद्र बोस और आजाद हिंद फौज:

- सुभाष चंद्र बोस का जन्म कटक (उड़ीसा) में हुआ था।
- सुभाष चंद्र बोस ने 1939 में 'फारवर्ड ब्लॉक' की स्थापना की थी।
- रास बिहारी बोस ने इंडिया इंडिपेंडेस लीग की स्थापना की।
- आजाद हिंद फौज मोहन सिंह के दिमाग की उपज थी। मोहन सिंह ने मलाया में आजाद हिंद फौज का गठन 15 दिसम्बर 1941 को किया।
- 7 जुलाई 1943 को रास बिहारी बोस ने आजाद हिंद फौज की कमान सुभाष चंद्र बोस को सौंप दी।
- 21 अक्टूबर 1943 को सुभाष ने सिंगापुर में स्वतंत्र भारत की अस्थायी सरकार का गठन किया। अस्थायी सरकार का मुख्यालय रंगून बनाया।
- सुभाष ने रानी झांसी रेजीमेंण्ट महिलाओं के लिए स्थापित किया। आजाद हिंद फौज में तीन ब्रिगेड सुभाष ब्रिगेड, नेहरू ब्रिगेड तथा गांधी ब्रिगेड रखा था।
- सैनिकों का आह्वान करते हुए सुभाष ने कहा 'तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा।
- सुभाष ने गांधी जी को 'राष्ट्रपिता' कह कर सम्बोधित किया।
- सुभाष चंद्र को इंडियन नेशनल आर्मी के गठन में सक्रिय सहयोग रास बिहारी बोस ने दिया।
- द फ्री इंडियन लीजन नामक सेना सुभाष चंद्र ने बनाई।
- सुभाष चंद्र को देश नायक 'रवीन्द्रनाथ टैगोर ने कहा था ।
- जय हिंद का नारा सुभाष चंद्र ने दिया था।
- सुभाष चंद्र के राजनीतिक गुरु चितरंजन दास थे।
- आजाद हिंद फौज दिवस 12 नवंबर 1945 को मनाया गया था।
- राशिद अली द्वारा आजाद हिंद फौज के सैनिकों को 7 वर्ष के कारावास का दंड दिया गया।
- 1945 में आजाद हिंद फौज पर लाल किले में मुकदमा चलाया गया।
- गुरूदयाल सिंह, प्रेम सहगल, शाहनवाज खाँ पर मुकदमा चलाया गया।
- भूलाबाई देसाई की अध्यक्षता में तेजबहादुर सप्रु, कैलाश नाथ काटजू, जवाहर लाल नेहरू बचाव पक्ष में शामिल थे।
- समूचे देश में प्रतिरोध के कारण वायसराय ने तीनों की फाँसी माफ कर दी।

सी0 आर0 फार्मूला (10 जुलाई 1944 ई0):

- राज गोपालाचारी जो मद्रास प्रांत के एक प्रभावशाली नेता थे, कांग्रेस और मुस्लिम लीग के समझौते के पूर्ण पक्षधर थे। 10 जुलाई 1944 ई. को गाँधी जी की स्वीकृति से उन्होनें कांग्रेस तथा लीग के समझौते की योजना प्रस्तुत की जो इस प्रकार हैं-:
  1. मुस्लिम लीग भारतीय स्वतंत्रता की मांग का समर्थन करे। वह अस्थाई सरकार के गठन में कांग्रेस के साथ सहयोगी की भूमिका अदा करे।

2. द्वितीय विश्व युद्ध के खत्म होने पर भारत के उत्तर-पश्चिम व पूर्वी भागों में मुस्लिम बहुसंख्यक क्षेत्रों की सीमा का निर्धारण करने के लिए एक कमीशन नियुक्त किया जाय, फिर व्यस्क मताधिकार प्रणाली के आधार पर इन क्षेत्रों के निवासियों की मतगणना करके भारत से उनके सम्बन्ध विच्छेद के प्रश्न का निर्णय किया जाये।
3. मतगणना के पूर्व सभी राजनीतिक दलों को अपने दृष्टिकोण के प्रचार की पूरी स्वतंत्रता हो।
4. देश विभाजन की स्थिति में रक्षा, व्यापार, संचार और दूसरे आवश्यक विषयों के बारे में आपसी समझौते की व्यवस्था की जाए।
5. उपर्युक्त शर्तें तभी मानी जा सकती है, जब ब्रिटेन भारत को पूर्ण रूप से स्वतंत्रता प्रदान करें।
6. जिन्ना के इस फार्मूले को अस्वीकार कर दिया। कालांतर में इसी फार्मूले के आधार पर भारत विभाजन हुआ।

वेवेल योजना (14 जून 1945 ई0):

- अक्टूबर 1943 ई0 में लार्ड लिनलिथगों के स्थान पर लार्ड बिस्काउट वेवेल वायसराय तथा गवर्नर जनरल नियुक्त हुए।
- 14 जून 1945 ई0 को वेवेल योजना प्रस्तुत की जिसकी प्रमुख बातें निम्न हैं -
  1. वायसराय की कार्यकारिणी परिषद् का गठन किया जाएगा, परिषद् में वायसराय तथा कमाण्डर इन चीफ को छोड़कर सभी सदस्य भारतीय होंगे।
  2. प्रतिरक्षा को छोड़कर समस्त भाग भारतीयों को दिया जाएगा।
  3. कार्यकारिणी में मुसलमान सदस्य की संख्या स्वर्ण हिंदुओं के बराबर होगी।
  4. कार्यकारिणी परिषद् एक अंतरिक्ष राष्ट्रीय सरकार के समान होगा।
  5. कांग्रेस नेता रिहा किये जाएगे तथा शिमला में एक सम्मेलन बुलाया जाएगा।
  6. युद्ध समाप्ति के बाद भारतीय स्वयं अपना संविधान बनाएंगे।
  7. भारत में ग्रेट ब्रिटेन हित के लिये एक उच्चायुक्त नियुक्त किया जाएगा।

शिमला सम्मेलन (25 जून 1945 ई0 – 14 जुलाई 1945 ई0 तक):

- 25 जून 1945 ई0 में शिमला में एक सम्मेलन बुलाया जिसमें 21 नेताओं को आमंत्रित किया गया।
- सम्मेलन में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व अबुल कलाम आजाद ने किया था। मुस्लिम लीग ने इस पर आपत्ति जताई की मुस्लिम सदस्य की नियुक्ति सिर्फ मुस्लिम लीग ही कर सकता है।
- इसी कारण शिमला सम्मेलन असफल हो गया।

भारत में आम चुनाव (दिसम्बर 1945 ई0):

- 15 अगस्त 1945 ई0 को जापान के आत्मसमर्पण के साथ द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त हो गया।
- इससे एक माह पूर्व ब्रिटेन में आम चुनाव हुआ जिसमें दि विस्टन चर्चिल की कंजरवेटिव पार्टी चुनाव हार गई और क्लीमेन्ट एटली की अध्यक्षता वाली लेबर पार्टी पर्याप्त बहुमत के साथ सत्ता में आई।
- नई सरकार ने पैथिक लारेंस को भारत सचिव नियुक्त किया।
- एटली की सरकार ने 1945 में भारत में चुनाव करवाया जो 1936 ई0 से नहीं हुए थे। दिसम्बर में घोषित परिणाम में केन्द्रीय विधान सभा तथा प्रांतीय विधान मण्डलों में भी कांग्रेस को पर्याप्त बहुमत मिला। केन्द्रीय विधानसभा में कांग्रेस को सामान्य निर्वाचन क्षेत्रों में 91.3% मत मिले। लीग ने समस्त मुस्लिम सीटें जीत ली।
- प्रान्तीय विधान मण्डल में कांग्रेस को बम्बई, मद्रास, संयुक्त प्रान्त, बिहार, उड़ीसा और मध्य प्रान्त में पूर्ण बहुमत मिला।
- उत्तर-पश्चिमी सीमा प्रान्त में कांग्रेस ने 30 सीटें जीती जिसमें 19 मुस्लिम सीटें भी सम्मिलत थी, जबकि लीग को केवल 17 सीटें मिली। लीग को बंगाल व सिंध से बहुमत प्राप्त हो सका।

शाही नौ सेना का विद्रोह (18 फरवरी 1946 ई0 – 23 फरवरी 1946 ई0):

- 18 फरवरी 1946 को रॉयल इण्डियन नेवी के सिगनल्स प्रशिक्षण संस्थान (SSIM) तलवार के गैर कमीशन अधिकारियों एवं सिपाहियों ने जिन्हें रेटिंग्स कहा जाता था, विद्रोह कर दिया।
- खराब भोजन, जातीय भेदभाव, कम वेतन आदि के कारण सिपाहियों ने विद्रोह कर दिया।
- विद्रोह ने बम्बई से प्रारम्भ होकर करांची, मद्रास और कलकत्ता को भी अपनी चपेट में ले लिया।
- सरकार ने नाविक बी.सी. दत्त को जहाज की दीवार पर 'भारत छोड़ो' लिखने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया था । यह भी सैनिकों के विरोध का कारण बना।
- देशव्यापी विस्फोट की स्थिति में सरदार वल्लभ भाई पटेल ने हस्तक्षेप किया। पटेल और जिन्ना के कहने पर 24 फरवरी 1946 ई0 को विद्रोहियों ने आत्मसमर्पण कर दिया।

कैबिनेट मिशन (24 मार्च 1946 ई0):

- ब्रिटेन में 26 जुलाई 1945 ई0 को क्लीमेन्ट एटली के नेतृत्व में ब्रिटिश मंत्रिमण्डल ने सत्ता ग्रहण की।
- एटली ने एक शिष्टमण्डल जिसमें कुल तीन सदस्य थे. भारत सचिव पैथिक लारेंस, व्यापार बोर्ड के अध्यक्ष स्टेफोर्ड क्रिप्स और नौ-सेना के प्रमुख ए. बी. अलेक्जेण्डर थे, को भेजा जो 24 मार्च 1946 को दिल्ली पहुँचा। इसने 16 मई 1946 ई0 को कैबिनेट मिशन रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसकी सिफारिशे इस प्रकार है –
  1. भारत में अखिल भारतीय संघ की स्थापना होनी चाहिए, जिसमें ब्रिटिश भारतीय और देशी राज्य सम्मिलित हो जो विदेशी मामलों प्रतिरक्षा एवं सूचनाओं का नियंत्रण और उसे उपर्युक्त विषयों के लिए आवश्यक वित संग्रह करने की शक्ति प्राप्त हो।
  2. संघ का ब्रिटिश-भारतीय और राज्यों के प्रतिनिधियों से गठित कार्यपालिका एवं विधान मण्डल हो। विधान मण्डल में किसी गम्भीर साम्प्रदायिक मामले पर उठे प्रश्न पर निर्णय प्रत्येक दोनों बड़े समुदायों (हिंदू, मुस्लमान) के उपस्थित एवं मतदान करने वाले प्रतिनिधियों के बहुमत और साथ-साथ उपस्थित एवं मतदान करने वाले समस्त सदस्यों के हो। बहुमत से हो।
  3. संघीय विषयों के अतिरिक्त सभी विषय एवं अवशिष्ट शक्तियाँ प्रांतों में निहित होनी चाहिए।
  4. भारतीय राज्य संघ समर्पित विषयों के अतिरिक्त समस्त विषयों एवं शक्तियों को रखे रहेंगे ।
  5. प्रांतों को कार्यपालिका एवं विधायिका के साथ समूह बनाने की स्वतंत्रता होगी और प्रत्येक समूह सामान्य रूप से लिए जाने वाले प्रान्तीय विषयों को अवधारित कर सकेंगे।
  6. संघ एवं समूहों के संविधान में एक ऐसा उपबन्ध होना चाहिए जिसके अधीन किसी भी प्रान्त को उसकी विधानसभा के मतों की बहुसंख्या द्वारा प्रारम्भिक 10 वर्षों की अवधिक के पश्चात् और तदुपरांत प्रति दस वर्ष के अंतराल पर संविधान के निबंधनों पर पुनर्विचार करने के लिए आहूत करने की अनुमति हो।
  7. कैबिनेट मिशन ने किसी भी रूप में मुस्लिम लीग की पाकिस्तान की माँग को अस्वीकार कर दिया।
- कैबिनेट मिशन के भारत आगमन के समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष मौलाना अबुल कलाम आजाद थे।
- महात्मा गांधी पूरी तरह से कैबिनेट मिशन योजना के पक्ष में थे।
- कैबिनेट मिशन योजना में पाकिस्तान की स्वीकृति नहीं मिली।
- 26 जून 1946 को लीग कैबिनेट मिशन प्रस्तावों को स्वीकार करते हुए कहा कि सर्वसत्ता प्राप्त पाकिस्तान के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए संघर्ष जारी रहेगा।
- संविधान सभा के लिए हुए चुनावों में ब्रिटिश प्रांतों के 296 स्थानों में कांग्रेस द्वारा 205 पर जीत हासिल हुई जिससे लीग के नेता बौखला गये।

- अंतरिम सरकार में 14 सदस्य होने थे, जिसमें 6 कांग्रेस मनोनीत करेंगे तथा 5 मुस्लिम लीग तथा अन्य 3 अल्पसंख्यकों के प्रतिनिधि का प्रावधान।
- लीग ने प्रस्ताव पर आपत्ति जताते हुए 16 अगस्त 1946 को 'सीधी' कार्यवाही दिवस का प्रावधान किया।
- प्रत्यक्ष कार्यवाही के दौरान कलकत्ता वीभत्स हिंसा की क्रीड़ा स्थली बन गया। हिंदू मुस्लिम संघर्ष हुए।
- नोआखली दंगे का प्रमुख केन्द्र रहा।
- मौलाना आजाद के अनुसार 16 अगस्त भारत के इतिहास में काला दिन है।

अंतरिम सरकार का गठन:

- 1 अगस्त 1946 को वेवल ने कांग्रेस अध्यक्ष जवाहर लाल नेहरू को अंतरिम सरकार गठन के लिये निमन्त्रण दिया।
- 24 अगस्त 1946 को पं० नेहरू के नेतृत्व में भारत की पहली अन्तरिम सरकार का गठन हुआ। लीग शामिल नहीं हुआ।
- जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में 2 सितम्बर 1946 अंतरिम सरकार ने शपथ लिया।
- 26 अक्टूबर 1946 को अंतरिम सदस्य में 5 लीग के प्रतिनिधि शामिल हुए।
- 9 दिसम्बर 1946 को दिल्ली में संविधान सभा की पहली बैठक हुई जिसका लीग ने बहिष्कार किया। बैठक में डॉ0 सच्चिदानंद सिन्हा को अस्थायी अध्यक्ष चुना गया। 11 दिसंबर 1946 को डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

अन्तरिम सरकार सदस्य	
जवाहर लाल नेहरू	कार्यकारी परिषद् के उपाध्यक्ष, विदेशी मामलें तथा राष्ट्र मण्डल से संबंधित मामलें
सरदार वल्लभ भाई पटेल	गृह, सूचना एवं प्रसारण विभाग तथा रियासत संबंधी मामलें
बलदेव सिंह	रक्षा विभाग
जॉन मथाई	उद्योग तथा आपूर्ति विभाग
सी. राजगोपालाचारी	शिक्षा विभाग
सी. एच. भाभा	कार्य खान तथा बन्दरगाह
राजेन्द्र प्रसाद	खाद्य एवं कृषि विभाग
अरुणा आसफ अली	रेलवे विभाग
जगजीवन राम	श्रम विभाग
लीग के सदस्य	
लियाकत अली खां	वित्त विभाग
जोगेन्द्र नाथ मण्डल	विधि विभाग
आई.आई. चुन्दरीगर	वाणिज्य विभाग
गजनफर अली खां	स्वास्थ्य विभाग
अब्दुल रब नस्तर	संचार विभाग

एटली घोषणा फरवरी 1947:

- 20 फरवरी 1947 को ऐतिहासिक घोषणा करते हुए जून 1947 के पहले भारत छोड देंगे।
- लार्ड वेवल ने अपने वायसराय पद के अन्तिम दिनों में एक 'ब्रेक डाउन प्लान' के तहत 31 मार्च 1947 तक भारत छोड़ने का पूर्ण रूप में सुझाव दिया था।

माउन्टबेटेन योजना (जून 1947):

- 22 मार्च 1947 को भारत के 34वें अन्तिम ब्रिटिश गवर्नर लार्ड माउन्ट बेटेन भारत आये जिनका मात्र उद्देश्य शीघ्र अतिशीघ्र भारत को पूर्ण स्वतंत्रता देना था।
- माउन्ट बेटेन ने 15 अगस्त 1947 को भारतीय को सत्ता सौंपने को दिन निर्धारित किया।
- 3 जून 1947 को प्रधानमंत्री एटली ने हाउस ऑफ कॉमन्स में विभाजन योजना (3 जून योजना) की घोषणा की।

माउंट बेटेन प्रारूप:

- मुस्लिम बहुसंख्य अलग अधिराज्य बना सकते है बंगाल और पंजाब की प्रांतीय विधान सभाओं में दो पृथक् भाग में विभाजित होगा। उत्तर पश्चिम सीमा प्रान्त व असम का सिलहट जिला जनमत संग्रह द्वारा निर्धारित होगा। सिंध व बलूचिस्तान के मामले में सम्बद्ध प्रांतीय विधान मण्डल को सीधा निर्णय लेने था।
- पंजाब, बंगाल व असम के विभाजन हेतु एक सीमा आयोग का गठन करना था।
- राजवाडों को निर्णय लेना था कि वे भारत में रहना चाहते था फिर पाकिस्तान में।
- कांग्रेस महासमिति ने 14 और 15 जून 1947 को दिल्ली में हुई बैठक में माउंबेटेन योजना की पुष्टि कर दी।

भारत स्वतंत्रता अधिनियम (1947):

- माउंटबेटेन योजना के तहत ब्रिटिश संसद में 18 जुलाई 1947 को भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947 को पास किया। इन उपबन्धों के द्वारा ही 15 अगस्त 1947 को भारत को विभाजन हुआ।

अधिनियम की मुख्य बातें:

1. 14/15 अगस्त 1947 से भारत में पाकिस्तान और भारत नामक दो डोमिनियन की स्थापना हो जायेगी।
2. दोनों डोमीनियन प्रांतों का संचालन जहां तक सम्भव हो 1935 के अधिनियम के अनुसार होगा।
3. 15 अगस्त 1947 के बाद ब्रिटिश संसद द्वारा पारित कोई भी अधिनियम किसी भी डोमिनियन में वैध नहीं होगा।

- 7 अगस्त 1947 को जिन्ना करांची पहुँचे। पाकिस्तान की संविधान सभा द्वारा 11 अगस्त को अपनी पहली बैठक में जिन्ना को राष्ट्रपति चुना गया।
- 14 अगस्त 1947 को जिन्ना पाकिस्तान के प्रथम गवर्नर जनरल बने।
- 14-15 अगस्त 1947 की मध्यरात्रि के समय भारत स्वतंत्र हो गया। नेहरू ने संविधान निर्मात्री सभा को संबोधित करते हुए अपने प्रभावशाली ऐतिहासिक भाषण नियति से साक्षात्कार दिया।
- एम. एस. सुब्बालक्ष्मी ने 14 / 15 अगस्त 1947 की मध्य रात्रि केंद्रीय असेम्बली मे इकबाल के गीत 'हिंदोस्ता हमारा' तथा 'जन-गण-मन' गाया।
- 14 / 15 अगस्त 1944 की मध्य रात्री को अंतरिम संसद के रूप में सत्ता संविधान सभा ने ग्रहण की।
- भारत विभाजन के समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष जे. बी. कृपलानी थे।
- 1946 मेरठ के कांग्रेस अधिवेशन की अध्यक्षता जे. बी. कृपलानी ने की थी।
- अगस्त 1947 में स्वतंत्रता दिवस समारोह में गांधी जी कभी सम्मिलित नहीं हुए।
- भारतीय राष्ट्रवाद ब्रिटिश राज का शिशु था यह कथन आर. कोपलैण्ड का था।
- के. एम. मणिक्कर ने कहा ब्रिटिश शासन की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि भारत का एकीकरण था।
- माउंटबेटन की अध्यक्षता में बनी विभाजन परिषद् में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व नेहरू ने किया था।

- भारत और पाकिस्तान के बीच सीमाओं के निर्धारण के लिए रैडक्लिफ समिति नियुक्त की गई थी।
- स्वतंत्र भारत के प्रथम गवर्नर जनरल लार्ड माउंटबेटन थे।
- स्वतंत्र भारत के अंतिम गवर्नर जनरल सी. राजगोपालाचारी थे।

भारत का संवैधानिक विकास

भारत का संवैधानिक विकास मूलतः 2 चरणों में पूर्ण हुआ।

1. प्रथम ब्रिटिश ईस्ट इण्डिया कंपनी के अंतर्गत (1873-1853) के बीच पारित अधिनियम।
2. दूसरा ब्रिटिश शासन के अर्न्तगत पारित (1858 - 1947) के बीच के अधिनियम।

1599 में ईस्ट इण्डिया कम्पनी की स्थापना हुई, इसे 15 वर्षों के लिए व्यापार का अधिकार दिया गया। बदलती आवश्यकताओं और परिस्थिति के अनुकूल ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने नियम, उपनियम व अध्यादेश जारी किये जो संविधान निर्माण की प्रक्रिया को निरन्तरता प्रदान करता रहा। इसी क्रम में सर्वप्रथम 1773 का रेगुलेटिंग एक्ट आया।

1773 का रेग्यूलेटिंग एक्ट

- एक्ट के तहत मद्रास एवं बम्बई प्रेसीडेन्सियों को कलकत्ता प्रेसीडेन्सी के अधीन कर दिया। जिसका प्रमुख एक गवर्नर जनरल होता था। गवर्नर जनरल परिषद् में चार सदस्य थे।
- इस रेग्यूलेटिंग एक्ट के द्वारा कलकत्ता में एक सुप्रीमकोर्ट की स्थापना की गयी जिसके मुख्य न्यायाधीश सर एलिजा इम्पे तथा अन्य तीन न्यायाधीश चैम्बर्स, लिमेस्टर और हाइड थे। रेग्यूलेटिंग एक्ट में एक ईमानदार शासन का आधारभूत सिद्धान्त निश्चित किया।
- 1781 में एक्ट आफ सेटेलमेंट रेग्यूलेटिंग एक्ट की त्रुटियों को समाप्त करने के लिए लाया गया है।

पिट्स इण्डिया एक्ट (1784):

- पिट्स इण्डिया एक्ट ने कम्पनी के व्यापारिक एवं राजनीतिक कार्य - कालापों को एक - दूसरे से अलग कर दिया।
- पिट्स इण्डिया एक्ट के विवाद को लेकर नार्थ तथा फाक्स की मिली-जुली सरकार को त्याग पत्र देना पड़ा। यह पहला और अंतिम अवसर था जब किसी भारतीय मामलें पर ब्रिटिश सरकार गिर गयी हो।
- कम्पनी ने वाणिज्य सम्बन्धी विषयों को छोड़कर सभी सैनिक, असैनिक तथा राजस्व सम्बन्धी मामलों को एक नियंत्रण बोर्ड के अधीन कर दिया।
- अधिनियम के द्वारा बम्बई तथा मद्रास प्रेसीडेन्सियां गवर्नर जनरल तथा उसकी परिषद् के अधीन कर दी गयी।
- भारत में प्रशासन गवर्नर जनरल तथा तीन सदस्यी परिषद् में केन्द्रित हो गया।
- इस अधिनियम द्वारा द्वैध शासन की शुरूआत हुई जो 1858 तक विद्यमान रही।
- इस अधिनियम के तहत इंग्लैण्ड में भारत सरकार का विभाग बनाया गया जिसे नियंत्रण बोर्ड (Board of control) कहते थे। जिसका मुख्य कार्य डायरेक्टर्स की नीति को नियंत्रित करना था।

1786 का अधिनियम:

- यह अधिनियम विशेषतः कार्नवालिस के लिए लाया गया था।
- इसके तहत मुख्य सेनापति की शक्तियां भी गवर्नर जनरल में निहित कर दी गयी।
- गवर्नर जनरल विशेष अवस्था में परिषद् के निर्णयों को रद्द कर सकता था तथा उसे लागू कर सकता था।

1793 का चार्टर एक्ट:

- इस एक्ट के द्वारा कम्पनी के व्यापारिक अधिकारों को 20 वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया।
- गवर्नर जनरल का बम्बई तथा मद्रास प्रेसीडेन्सियों पर अधिकार स्पष्ट कर दिये गये।
- मुख्य सेनापति को गवर्नर जनरल की परिषद् का स्वतः ही सदस्य होने का अधिकार समाप्त हो गया। इन सभी सदस्यों का वेतन भारतीय कोष से मिलता था जो 1919 तक जारी रहा।

1813 का चार्टर एक्ट:

- 1813 के एक्ट की महत्पपूर्ण घटना थी कि कम्पनी के व्यापारिक अधिकार को समाप्त कर दिया गया।
- अधिनियम में चीन तथा चाय के व्यापार का एकाधिकार अभी भी कम्पनी के पास था।
- अधिनियम में 1 लाख प्रतिवर्ष विद्वान व शिक्षा पर व्यय का प्रावधान किया गया।

1833 का चार्टर एक्ट:

- यहीं वह समय था जब ब्रिटेन औद्योगिक क्रान्ति के चरण गुजर रहा था। इस समय एडम स्मिथ का लेसेज फेयर सिद्धान्त के कारण व्यापारिक स्वतंत्रता की आवश्यकता थी। 1776 में एडम स्मिथ की पुस्तक वेल्थ ऑफ नेशन लॉन्च हुई थी।
- एक्ट के द्वारा कम्पनी को 20 वर्ष का अधिकार पुनः प्रदान किया गया।
- कम्पनी के वाणिज्यिक अधिकार समाप्त कर दिये गये तथा उसे भविष्य में केवल राजनीतिक कार्य ही करने थे।
- अधिनियम के तहत कानून बनाने के लिए गवर्नर जनरल की परिषद् में चौथा सदस्य कानूनी सदस्य के रूप में सम्मिलित किया गया। सर्वप्रथम मैकाले को विधि सदस्य के रूप में गवर्नर जनरल की परिषद् में सम्मिलित किया गया।
- सपरिषद् गवर्नर जनरल को ही भारत के लिए कानून बनाने का अधिकार प्राप्त हुआ था।
- अधिनियम के तहत विधि आयोग का गठन किया गया।
- अधिनियम के द्वारा कम्पनी के चीन से व्यापार तथा चाय सम्बन्धित एकाधिकार को समाप्त कर दिया गया।
- इस अधिनियम में धर्म, मूलवंश, जाति इत्यादि के आधार पर नियुक्ति के आधार को समाप्त कर योग्यता के आधार पर मानदण्ड को अपनाने का प्रावधान किया गया।
- अधिनियम के तहत बंगाल का गवर्नर जनरल अब समूचे भारत का गवर्नर जनरल बन गया।

1853 का चार्टर एक्ट:

- एक्ट में कार्यपालिका व विधायी शक्ति को पृथक करने का प्रावधान किया गया। भारत में पृथक विधान परिषद् की स्थापना की गयी।
- विधान परिषद् में क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व का सिद्धान्त पारित किया गया लेकिन विधान परिषद् द्वारा पारित विधयकों को। गवर्नर जनरल वीटों कर सकता था। 1853 के अधिनियम में सर्वप्रथम सम्पूर्ण भारत के लिए एक विधान मण्डल (All India legislative council) की स्थापना की गयी।

1858 का अधिनियम:

- अधिनियम में 1784 के पिट्स इण्डिया एक्ट द्वारा लागू द्वैध शासन प्रणाली को समाप्त कर दिया गया।
- भारत का शासन कम्पनी के अधिकार से बाहर कर दिया गया। शासन ब्रिटिश क्राउन के हाथों में सौंप दिया गया।
- बोर्ड ऑफ डायरेक्टर एवं बोर्ड ऑफ कन्ट्रोल के समस्त अधिकार भारत सचिव को सौंप दिया गये।

- भारतीय राजस्व से आकस्मिक कार्यो को छोड़कर भारत की सीमा के बाहर की गई फौजी कार्यवाही के लिए धन बिना परिषद् की आज्ञा के नहीं दिया जाएगा।

1861 का भारतीय परिषद् अधिनियम:

- इस अधिनियम में वायसराय की कार्यकारिणी में एक पाँचवा सदस्य सम्मिलित किया गया जो विधिवेत्ता होगा।
- वायसराय की कार्यकारिणी परिषद् में विभागीय प्रणाली आरम्भ कर दी गयी। कैनिंग के द्वारा विभागीय प्रणाली प्रारम्भ की गयी।
- 1861 के अधिनियम ने भारत में प्रतिनिधि संस्थाओं को जन्म दिया।
- वायसराय के अध्यादेशों की क्रियाशीलता को केवल 6 माह के लिए निर्धारित किया गया।

1892 का भारत परिषद् अधिनियम:

- अधिनियम के द्वारा भारतीय सदस्यों को वार्षिक बजट पर बहस करने तथा सरकार से प्रश्न पूछने का अधिकार भी दिया गया।
- इस अधिनियम का सबसे महत्वपूर्ण प्रावधान चुनाव पद्धति की शुरूआत करनी थी।
- परिषद् में 5 गैर - सरकारी सदस्यों की व्यवस्था की गयी जिसको वायसराय मनोनीत करता था।

1909 का भारतीय परिषद् एक्ट अथवां मिन्टो - मारले सुधार:

- अधिनियम के समय लार्ड मिन्टो भारत का वायसराय था और मॉरले भारत सचिव था।
- 1909 के एक्ट द्वारा भारतीयों को विधि निर्माण तथा प्रशासन दोनों का प्रतिनिधित्व प्रदान किया गया।
- केन्द्रीय विधान परिषद् में सदस्यों की संख्या 69 कर दी गयी इसमें 37 शासकीय एवं 32 गैर सरकारी सदस्य थे। गैर सरकारी सदस्यों में 27 निर्वाचित तथा 5 वायसराय द्वारा मनोनीत होते थे। बंबई, मद्रास, बंगाल, उ० प्र० की कॉसिल की अतिरिक्त सदस्यों की संख्या बढ़ाकर 50 कर दी गई। छोटे प्रान्तों के लिए संख्या 30 कर दी गयी थी।
- 1909 के एक्ट में ही सांप्रादायिक निर्वाचन प्रारम्भ हुआ।

1919 का भारत सरकार अधिनियम (मांटेग्यू चेम्सफोर्ड एक्ट):

- अगस्त 1917 ई0 को तत्कालीन भारत सचिव मांटेग्यू के समय इसकी घोषणा की गयी।
- अधिनियम में पहली बार 'उत्तरदायी शासन शब्दों का स्पष्ट प्रयोग किया गया था। जिसने भारत में तनावपूर्ण वातावरण में कुछ समय के लिए शान्ति बना दी।
- 1919 के अधीनियम द्वारा सभी विषयों को केन्द्र तथा प्रान्तों में बांट दिया गया। केन्द्रीय सूची सपरिषद् गवर्नर जनरल का अधिकार था तथा प्रान्तीय सूची पर स्थानीय सरकार कानून बनाती थी।
- इस विधेयक के तहत प्रान्तों में द्वैध शासन प्रणाली लागू की गयी। प्रान्तीय विषयों को आरक्षित व हस्तान्तरित विषयों में विभाजित किया गया।
- 20 अगस्त 1917 को मांटेग्यू घोषणा की गयी।

1935 भारत शासन अधिनियम:

- यह अधिनियम साइमन कमीशन की रिपोर्ट पर आधारित था।
- 1935 के अधिनियम द्वारा सर्वप्रथम भारत में संघात्मक सरकार की स्थापना की गई।
- 1935 के अधिनियम द्वारा प्रान्तों में द्वैध शासन समाप्त करके केन्द्र में द्वैध शासन लागू किया गया।
- संघ में प्रशासन के विषय को दो भागों हस्तान्तरित व रक्षित में विभाजित किया गया था।

- रक्षित विषयों में प्रतिरक्षा, विदेशी मामले, धार्मिक विषय और जनजातीय क्षेत्र सम्मिलित थे। बाकी सारे विषय हस्तांतरित ग्रुप में आते थे।
- भारत में संघीय न्यायालय की स्थापना 1935 के द्वारा की गई थी।
- अधिनियम में प्रांतीय द्वैध शासन की व्यवस्था की गयी थी।
- भारत सरकार अधिनियम 1935 में अंतर्विष्ट अनुदेश प्रपत्र इंस्ट्रमेंट ऑफ इंस्ट्रक्शन को वर्ष 1950 में राज्य के नीति निदेशक तत्व में समाविष्ट किया गया।
- 1935 का एक्ट भारतीय संविधान का प्रमुख स्त्रोत था।
- कांग्रेस ने लखनऊ अधिवेशन 1936 में भारत सरकार अधिनियम को स्वीकार किया।

1947 का भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम:

- इसके द्वारा 3 जून 1947 की माउंटबेटन योजना को ही वैधानिक रूप प्रदान किया गया है।
- भारतीय उपमहाद्वीप दो राष्ट्रों पाकिस्तान व भारत में विभाजित हो गया।
- 14 अगस्त को पाकिस्तान स्वतंत्र हुआ, 15 अगस्त को भारत स्वतंत्र हुआ।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- भारत में ब्वॉय स्काउट बालचर और सिविल गाइड आंदोलन के जन्मदाता बेडेन पॉवेल थे।
- इण्डियन सिविल सर्विसेज (ICS) की परीक्षा वर्ष 1922 में भारत व इंग्लैण्ड दोनों जगह साथ में होने का निश्चय किया गया।
- 1935 के अधिनियम द्वारा अवशिष्ट शक्तियां गवर्नर जनरल को दी गई थी।
- 1937 के चुनाव में कांग्रेस ने कुल 8 प्रान्तों में संविधान निर्माण किया।
- भारत के लिए संविधान की रचना हेतु संविधान सभा का विचार सर्वप्रथम स्वराज पार्टी द्वारा 1934 में प्रस्तुत किया गया।
- कैबिनेट मिशन के तहत संविधान सभा में सदस्य की संख्या 10 लाख व्यक्ति पर एक सदस्य निर्धारित किया गया।
- एक संविधान देने का प्रस्ताव संविधान सभा द्वारा 22 जनवरी 1947 को पारित किया गया था।
- संविधान सभा में उद्देश्य प्रस्ताव जवाहर लाल नेहरू द्वारा दिया गया।
- संविधान बनाने हेतु संविधान सभा में कुल 12 अधिवेशन हुए। -
- संघ संविधान समिति के अध्यक्ष जवाहर लाल नेहरू थे।
- संविधान सभा में प्रारूप समिति के अध्यक्ष बी. आर. अम्बेडकर थे। 29 अगस्त 1947 को प्रारूप समिति का गठन हुआ।
- संविधान निर्माण के समय संवैधानिक सलाहकार बी. एन. राव थे।
- संविधान का प्रथम प्रारूप बी. एन. राव ने तैयार किया था।
- सविधान सभा में व्यस्क मताधिकार 15 वर्ष तक स्थगित करने की बात मौलाना आजाद ने की थी।
- भारत शासन द्वारा 26 जनवरी 1950 से राजकीय चिन्ह अंगीकृत किया गया।
- अपनी राष्ट्रवादी प्रतिक्रिया में भारतीय संविधान के निर्माताओं में अल्पसंख्यको के हितों तथा भावनाओं के महत्व को कम करके आंका यह कथन आइवर जेनिंग्स का था।
- संविधान सभा कांग्रेस थी, कांग्रेस ही भारत था यह कथन ऑस्टिन ने दिया था।
- अम्बेडकर का संविधान सभा का निर्वाचन बम्बई प्रेसीडेंसी से हुआ था।
- संविधान सभा की अंतिम बैठक 24 जनवरी 1950 को हुई।
- भारत का संविधान पूर्ण रूप से 26 नंवबर 1949 को तैयार हुआ।

- संविधान सभा में झंडा समिति के अध्यक्ष डॉ० राजेन्द्र प्रसाद थे।
- स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस को भंग करने की सलाह महात्मा गाँधी ने दिया था।
- भारत अधिनियम 1919 के तहत विधान सभा निर्वाचन 1926 और 1945 में हुआ था।
- 1935 के गर्वमेंन्ट इण्डिया एक्ट के तहत भारत वर्मा से अलग हो गया।
- संविधान सभा का निर्वाचन व्यस्क मताधिकार पर आधारित नहीं था। सदस्यों को प्रांतों की विधान सभा द्वारा चुना गया था।
- 1813 एक्ट से अंग्रेजी शिक्षा की नींव पडी।
- भारत में प्रथम रेल लाइन का निर्माण बंबई और थाणे के मध्य 1853 ई0 में किया गया। ग्रेट इंडियन पेनिनसुला रेलवे ने सर्वप्रथम भारत में रेल यात्रा प्रारंभ की।
- कर्जन के प्रशासन की तुलना औरंगजेब से जी० के० गोखले ने की थ।
- भारतीय स्मारक संरक्षण एक्ट कर्जन के कार्यकाल में पारित किया गया था।
- लार्ड रीडिंड भारत का एकमात्र यहूदी वायसराय था।
- लिटन ने अफ़गानिस्तान के प्रति जोशभरी अग्र (फारवर्ड) नीति' का अनुसरण किया था।
- लार्ड रिपन को स्थानीय स्वशासन का जनक माना जाता हैं।

रियासतों का एकीकरण

- स्वतंत्रता के बाद सबसे पहला और सबसे जरूरी काम भारत की एकता, अखण्डता को सुरक्षित करना था। जिसमें अनेक समस्यायें थी -

1. राष्ट्र का समेकन तथा भाषाई जनजातीय समस्या का समाधान।
2. स्वतंत्र एवं नियोजित आर्थिक विकास की प्रक्रिया का शुभारम्भ।
3. स्वतंत्र एवं मौलिक विदेश नीति का विकास।
4. चुनाव प्रक्रिया की शुरूआत।
5. जनवाद का आरोपण।
6. प्रशासनिक व्यवस्था का आरोपण।
7. विज्ञान एवं तकनीक का विकास।
8. कल्याणकारी राज्य का आरम्भ।

- स्वतंत्रता प्राप्ति के अवसर पर प्रायः 140 राज्य थे, जहाँ नवाब अथवा राजा शासन चलाते थे।
- 15 जून 1947 को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने घोषणा की कि, वह भारत को किसी भी रियासत को स्वतंत्रता की घोषणा करने तथा भारत के अवशिष्टांश से पृथक् होकर रहने के अधिकार को कबूल नहीं कर सकते।
- 5 जुलाई 1947 को भारतीय रियासत विभाग नामक एक पृथक् विभाग की स्थापना की गयी जिसका कार्यभार सरदार वल्लभाई पटेल को सौंपा गया।
- 15 अगस्त 1947 ई0 के पश्चात् सिर्फ जूनागढ़, हैदराबाद एवं कश्मीर के राज्य भारत में सम्मिलित नहीं थे बाकी सभी भारत के अभिन्न अंग बन गये।
- जूनागढ़ का नवाब मुस्लिम था, अधिकांश जनसंख्या हिन्दू थी। नवाब ने सितम्बर 1947 में पाकिस्तान विलय की घोषणा की। जनता के प्रतिरोध के बाद नवाब पाकिस्तान भाग गया। तत्पश्चात् जूनागढ़ के दीवान शाहनवाज भुट्टो ने 8 नवम्बर 1947 को जूनागढ़ के भारत विलय से सम्बन्धित पत्र भारत सरकार को लिखा। 9 नवम्बर 1947 को भारत सरकार ने जूनागढ़ का प्रशासन अपने हाथ में ले लिया। 20 जनवरी 1948 में जनमत संग्रह द्वारा जूनागढ़ भारत संघ में शामिल हो गया।

- हैदराबाद को भारत सरकार ने 'आपरेशन पोलो' के तहत युद्ध द्वारा भारत संघ में मिला लिया। 26 जनवरी 1950 को स्वतंत्र भारत के संविधान में हैदराबाद को (भाग ख) में शामिल किया गया।
- कश्मीर पर 22 अक्टूबर 1947 को उत्तर-पश्चिम सीमा प्रान्त के कबालियों एवं अनेक पाकिस्तानियों ने आक्रमण कर दिया। 26 अक्टूबर को राजा हरिसिंह ने भारत से सहायता मांगी। 26 अक्टूबर 1947 को विलय पत्र द्वारा कश्मीर भारत का अंग बन गया, तब पाकिस्तान को कश्मीर से बाहर कर दिया।
- स्वतंत्रता के समय भारत के चन्द्रनगर, पांडिचेरी, कारीकल, माही एवं यनम क्षेत्र फ्रांस के अधिकार में थे। फ्रांस ने 1950 ई0 में चन्द्रनगर भारत को दे दिया शेष स्थान 1954 में भारत को सौंप दिया।
- स्वतंत्रता के समय गोवा, दमन-दीव, दादर और नागर हवेली पुर्तगाल के अधिकार में थे। 1954 ई0 में भारतीय सैनिकों ने दादर एवं नागर हवेली पर अधिकार कर लिया तथा 1961 ई0 में इन क्षेत्रों को कानूनी तौर पर भारत में सम्मिलित कर लिया गया।

भारत का संविधान

- 1946 में कैबिनेट मिशन योजना के तहत 'भारतीय संविधान सभा' का गठन हुआ। जिसमें 10 लाख जनसंख्या पर एक सदस्य के चुनाव का प्रावधान था।
- इस योजना के तहत संविधान सभा के सदस्यों की संख्या 389 प्रस्तावित की गयी, जिसमें 292 सदस्य ब्रिटिश प्रान्तों से और 93 सदस्य देशी रियासतों व 4 सदस्य चीफ कमीश्नरी क्षेत्र से चुने जाने थे।
- 9 दिसम्बर 1946 ई० को संविधान सभा की प्रथम बैठक दिल्ली में हुई। डा० सच्चिदानन्द सिन्हा को सभा का अस्थायी अध्यक्ष चुना गया।
- 11 दिसम्बर 1946 को डॉ० राजेन्द्र प्रसाद संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष निर्वाचित हुए।
- संविधान सभा के सदस्यों में अनुसूचित जनजाति के सदस्यों की संख्या 33 थी।
- संविधान सभा में महिला सदस्यों की संख्या 15 थी।
- संविधान सभा की कार्यवाही 13 दिसम्बर 1946 को जवाहर लाल नेहरू द्वारा पेश किये गये उद्देश्य प्रस्तावना से हुई।
- संविधान सभा में संविधान का प्रथम वाचन 4 नवम्बर से 9 नवम्बर 1948 ई० तक चला। संविधान का दूसरा वाचन 15 नवम्बर 1948 ई० को प्रारम्भ हुआ जो 17 अक्टूबर 1949 ई0 तक चला। संविधान सभा में संविधान का तीसरा वाचन 14 नवम्बर 1949 ई0 को प्रारंभ हुआ जो 26 नवम्बर 1949 ई0 तक चला और संविधान सभा द्वारा संविधान को पारित कर दिया गया। इस समय संविधान सभा के 284 सदस्य उपस्थित।
- संविधान निर्माण की प्रक्रिया में कुल 2 वर्ष 11 महीने और 18 दिन लगे।
- संविधान को 26 नवम्बर 1949 ई० को संविधान सभा द्वारा पारित किया गया तब इसमें कुल 22 भाग 395 अनुच्छेद और 8 अनुसूचियाँ थी।
- 22 जुलाई 1947 को राष्ट्रीय ध्वज को अपनाया गया।
- 24 जनवरी 1950 को राष्ट्रीय गान एवं राष्ट्रीय गीत को अपनाया गया।
- भारतीय संविधान निर्माण के समय संविधान सभा के संवैधानिक सलाहकार बी. एन. राव थे।
- संविधान सभा की अंतिम बैठक 24 जनवरी 1950 को हुई थी। उसी दिन संविधान सभा द्वारा डॉ० राजेन्द्र प्रसाद भारत के प्रथम राष्ट्रपति चुने गये थे।
- भारत के संविधान का स्त्रोत भारत की जनता है।
- प्रथम संविधान संशोधन 1951 के द्वारा भारतीय संविधान में नवी अनुसूची जोड़ी गयी है।
- लोकसभा का प्रथम निर्वाचन 1951-52 ई0 में हुआ था। 13 मई 1952 ई0 को पहली बार लोकसभा की प्रथम बैठक हुई थी।

- लोकसभा के प्रथम अध्यक्ष जी. बी. मावलंकर थे।
- भारत के प्रथम चुनाव आयुक्त सुकुमार सेन थे।
- सर्वप्रथम राज्यसभा का गठन 3 अप्रैल 1952 ई० को हुआ था।
- भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति डॉ० सर्वपल्ली राधा कृष्णन थे।
- जनवरी 1950 में सुप्रीम कोर्ट अस्तित्व में आया।
- उ0प्र0 में 1950 में जमींदारी उन्मूलन एवं भूमि सुधार अधिनियम 1950 पारित हुआ।
- 1953 में विश्व विद्यालय अनुदान आयोग (UGC) की स्थापना की गयी।
- 2 अक्टूबर 1959 को
- पंचायती राज का राजस्थान के नागौर जिले में सर्वप्रथम उद्घाटन किया गया।
- 1955 में श्री बी. जी. खेर की अध्यक्षता में एक राजभाषा आयोग का गठन किया गया।

ब्रिटिश कालीन आयोग /समितियाँ		
एचिन्सन आयोग	1886	नागरिक सेवा में भारतीयों की संख्या में वृद्धि पर विचार
बटलर समिति	1927	देशी राज्यों व अंग्रेजी सरकार के संबंधों पर विचार
व्हीटले आयोग	1928	श्रमिकों की स्थिति पर विचार
सप्रू समिति	1934	बेरोजगारी की समस्या की समीक्षा हेतु
स्ट्रेची आयोग	1878	अकाल की समस्या
इसलिंग्टन आयोग	1912	भारतीय सिविल सेवा में भारतीय भागीदारी बढ़ाने के लिये

आधुनिक भारत विविध:

- जय जवान, जय किसान का नारा लाल बहादुर शास्त्री ने दिया।
- भारत की मुक्ति महात्मा गांधी के नेतृत्व में नहीं होगी यह कथन सुभाष चन्द्र बोस ने लिखा था।
- बबई में पहली भारतीय कपड़ा मिल 1854 ई0 में स्थापित हुई थी।
- राजा जनता के लिए बने है, जनता राजा के लिए नहीं बनी है राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान यह वक्तव्य दादा भाई नौरोजी ने दिया था।
- चरण पादुका नरसंहार को मध्य प्रदेश का जलियांवाला बाग कांड कहा जाता है।
- भारत में ब्वॉय स्काउट (बालचर) और सिविल गाइड आंदोलन के जन्मदाता बेडेन पॉवेल था।
- प्रत्येक वस्तु प्रतीक्षा कर सकती है, परंतु कृषि नहीं यह कथन जवाहरलाल नेहरू ने कहा था।
- ब्रिटिश सरकार भारत के विभाजन के लिए उत्तरदायी नहीं यह कथन लार्ड एटली ने कहा था।
- "राजनैतिक स्वतंत्रता राष्ट्र का जीवन श्वांस है" यह कथन अरविंद घोष ने कहा था।
- जी. वी. मावलंकर ने 'विग' त्यागकर गांधी टोपी पहनकर सदन की अध्यक्षता की थी।
- भारत के संदर्भ में पितृसत्तामक दृष्टिकोण प्रायः थॉमस मुनरों से संबद्ध माना जाता है।
- उड़ीसा अकाल 1866-67 को उन्नीसवीं शताब्दी में पड़े अकाल को 'प्रकोप का समुद्र (सी ऑफ कैलेमिटी) कहा जाता है।
- स्ट्रेची आयोग 1883 ने भारतीय दुर्भिक्ष संहिता का निर्माण किया था।
- फ्रांसीसी क्रांति 1789 ई0 में प्रारंभ हुई थी।
- भारत ने 'ऑपरेशन विजय' पाकिस्तान के विरूद्ध चलाया था।
- विशप टुटू दक्षिण अफ्रीका देश से संबंधित है।
- पुर्नजागरण संस्कृति के इटली में प्रारंभ होने के कारण विचारों को व्यक्त करने की स्वतंत्रता थी।

- बंगाल और बिहार में भूमि पर किरायेदारों के अधिकार को बंगाल किरायदारी अधिनियम 1885 ई0 के तहत पारित किया गया था।
- संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रथम राष्ट्रपति जार्ज वाशिंगटन थे।
- संयुक्त राज्य अमेरिका के रिचर्ड निक्सन ने राष्ट्रपति पद से त्यागपत्र दे दिया था।
- अलीपुर सेंट्रल जेल कोलकाता में स्थित है।
- क्लीमेंट एटली ने कहा था डोडो की भांति साम्राज्यवाद दिवंगत हो चुका है।
- यहां (भारत में) एक क्रांति होने जा रही है हमें जल्दी से चले जाना चाहिए यह कथन सर स्टेफोर्ड क्रिप्स ने कहा था।
- भारत पाकिस्तान के युद्ध पश्चात् बांग्लादेश एक स्वतंत्र के रूप में स्थापित 1971 में हुआ था।
- 1991 में सोवियत संघ की विघटन हो गया था।
- मिशनरीज ऑफ चैरिटी मदर टेरेसा के द्वारा स्थापित धर्म संघ कहलाता है। टेरेसा का जन्म अल्बानिया में हुआ था।
- चीन ने 1959 में तिब्बत पर कब्जा कर लिया था।
- प्लेटो सुकरात के शिष्य थे।
- पश्चिम बंगाल का राज्य सचिवालय भवन 'राइस बिल्डिंग' के नाम से जाना जाता है।
- द्वंद्वात्मक भौतिकवाद सिद्धांत से कार्ल मार्क्स ने वर्ग संघर्ष की प्रक्रिया को समझाया था।
- अखिल भारतीय समाजवादी युवा कांग्रेस के सभापति जवाहर लाल नेहरू थे।
- जर्मनी का एकीकरण 3 अक्टूबर 1990 को हुआ था।
- कृषक दिवस 23 दिसंबर को मनाया जाता है।
- नोआखली पश्चिम बंगाल में है।
- खान अब्दुल गफ्फार खां को फ्रंटियर गांधी (सीमांत गांधी) के नाम से जाना जाता है।
- 1919 में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की स्थापना हुई।
- भारत सरकार द्वारा 1919 में आइ.एल.ओ. के वाशिंगटन सम्मेलन में मजदूरों के प्रतिनिधि के रूप में वी. पी. वाड़िया को भेजा गया था।
- 1920 में एम. एन. जोशी, जोसेफ वैपटिस्ट तथा लाला लाजपत राय के प्रयासों से अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एटक) की स्थापना हुई।
- अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस के प्रथम अध्यक्ष लाला लाजपत राय हुए। यह सम्मेलन 1920 में बम्बई में हुआ था।
- कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी का गठन 1934 ई0 में जयप्रकाश नारायण व आचार्य नरेंद्र देव के प्रयासों से हुआ था।
- जयप्रकाश नारायण को लोकनायक भी कहा जाता है।

बंगाल के गर्वनर	
क्लाइव (प्रथम शासन)	1757-60
हॉलवेल (स्थानापन्न)	1760
वेन्सिटार्ट	1760-65
क्लाइव (दूसरा शासन)	1765-67
वेरेल्स्ट	1767-69
कार्टियर	1769-72
वॉरेन हेस्टिंग्ज	1772-74

बंगाल के गवर्नर-जनरल (1773 के रेग्यूलेटिंग ऐक्ट के अनुसार):

वॉरेन हेस्टिंग्ज	1774-85
सर जॉन मैक्फरसन (स्थानापन्न)	1785-86
अर्ल (माक्विस) कार्नवालिस	1786-93
सर जॉन शोर	1793-98
सर ए. क्लार्क (स्थानापन्न)	1798
रिचर्ड वैल्जली (Earl of mornington)	1798-1805
मार्विस कार्नवालिस (दूसरा शासन)	1805
सर जार्ज बारलो (स्थानापन्न)	1805-07
अर्ल ऑफ मिन्टो	1807-13
माक्विस ऑफ हेरिंगज	1813-23
जॉन एडम्ज (स्थानापन्न)	1823
लार्ड एमहर्स्ट	1823-28
विलियम बटरवर्थ बेली	1828
लार्ड विललियम बैंटिक	1828-33

भारत के गवर्नर – जनरल (1833 के चार्टर एक्ट के अधीन)

लार्ड विलियम बैंटिंक	1833-35
सर चार्ल्स मैटकॉफ	1835-36
अर्ल ऑफ ऑकलैण्ड	1836-42
अर्ल एलनबरा	1842-44
बिलियम बर्ड विलबरफोर्स (स्थानापन्न)	1844
सर हेनरी (वाईकाउन्ट) हार्डिंग	1844-48
अर्ल ऑफ डलहौजी	1848-56
लार्ड केनिंग	1856-58

गवर्नर जनरल तथा वायसराय (1858 को घोषणा – पत्र)

लार्ड केनिंग	1858-62
लार्ड एल्गिन प्रथम	1862-63
सर रॉबर्ट नेपियर (स्थानापन्न)	1863
सर विलियम टी. डेनिसन (स्थानापन्न)	1863
सर जॉन लारेन्स	1864-68
अर्ल मॉफ मायो	1869-72
सर जॉन स्ट्रेची (स्थानापन्न)	1872
लार्ड नेपियर मरचिस्टाउन (स्थानापन्न)	1872
अर्ल ऑफ नार्थब्रुक	1872-76
बैरन (अर्ल ऑफ) लिटन प्रथम	1876-80
माक्विस ऑफ रिपन	1880-84
अर्ल ऑफ डफरिन	1880-84
माक्विस ऑफ लेन्सडाउन	1888-94
अर्ल ऑफ एल्गिन द्वितीय	1894-98
लार्ड कर्जन	1899-1904

लार्ड एम्पिटल (स्थानापन्न)	1904
लार्ड कर्जन	1904-05
अर्ल ऑफ मिन्टो द्वितीय	1905-10
बैरन हार्डिंग ऑफ पेन्सहर्स्ट	1910-16
बैरन चेम्सफोर्ड	1916-21
अर्ल ऑफ रीडिंग	1921-25
लार्ड लिटन द्वित्तीय	1925
लार्ड अर्विन	1926-31
अर्ल ऑफ वैलिंगडन	1931-34
सर जार्ज स्टेनले (स्थानापन्न)	1934
माक्विस ऑफ लिलिथगों	1934-36

गवर्नर-जनरल तथा क्राउन के प्रतिनिधि (1935 के अधिनियम के अधीन):

माक्विस ऑफ लिनलिथगों	**1936-37**
बैरन ब्रेबर्न (स्थानापन्न)	1938
माक्विस लिनलिथगो	1938-43
लार्ड वेवल	1943-47
लार्ड माउन्टबेटन	1947-47
चक्रवर्ती राजगोपालाचारी	1948-50

भारत के गवर्नर / गवर्नर जनरल:

ब्रिटिश काल में महत्वपूर्ण गवर्नर व उनके समय की घटनाओं को निम्नलिखित बिन्दुओं में देखा जा सकता है -

क्लाइव (1757–1760): प्लासी के युद्ध के बाद क्लाइव बंगाल का प्रथम गवर्नर बना।

- (1765-67 ई0) तक पुनः बक्सर के युद्ध के बाद दोबारा गवर्नर बना। इसी के समय इलाहाबाद की संधि (1765 ई0) सम्पन्न हुई।
- 1765 में इसके समय में द्वैध शासन की व्यवस्था की गयी जो 1772 ई0 तक चलता रहा। वॉरेन हेस्टिंग्स ने समाप्त किया।
- श्वेत विद्रोह, सोसायटी कार ट्रेड की स्थापना इसके समय की महत्वपूर्ण घटना थी।
- क्लाइव ने इंग्लैण्ड जाकर आत्महत्या कर ली थी।

वॉरेन हेस्टिंग्स (1774–85 ई0):

- यह भारत का प्रथम गवर्नर जनरल बना था।
- यह भारत में न्यायिक सेवा के जन्मदाता है। इसके समय में 1774 में कलकत्ता उच्च न्यायालय की स्थापना हुई।
- इसने राजस्व बोर्ड का गठन किया तथा कोष मुर्शिदाबाद से कलकत्ता लाया।
- बनारस की संधि (1773 ई0) से प्रेरित होकर अवध के नवाब शुजाउद्दौला ने 1774 ई0 में रूहेलखण्ड पर अधिकार कर लिया । यह हेस्टिंगस के समय हुआ।
- फैजाबाद की सन्धि 1775 ई0 द्वारा बनारस पर अंग्रेजी सर्वोच्चता स्थापित।
- एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल 1784 ई0 में विलियम जोंस ने कलकत्ता में इसकी स्थापना की। इसके द्वारा पहली अनुदित पुस्तक भगवद्गीता विल्किंस द्वारा दूसरी हितोपदेश थी।
- नंद कुमार पर अभियोग (1775 ई0) जिसे न्यायिक मुकदमें की संज्ञा दी गयी थी।

- हेस्टिंग्स भारत का एकमात्र गवर्नर जनरल था जिस पर बर्क ने महाभियोग का मुकदमा दायर किया। यह मुकदमा 1788 ई0 से 1795 ई0 तक चलता रहा बाद में दोष मुक्त किया गया।

कार्नवालिस (1786-93 ई0):

- कार्नवालिस ने 1789 ई0 में दास व्यापार पर रोक लगा दी।
- कार्नवालिस भारत में सिविल सेवा का जन्मदाता था। इस सेवा में 1853 से प्रतियोगी परीक्षा होने लगी। यह इंग्लैण्ड में होती थी 1923 ई0 से भारत में होने लगी थी। 1863 ई0 में प्रथम भारतीय (ICS) सत्येन्द्र नाथ टैगोर थे।
- भारतीय पुलिस सेवा का जन्मदाता भी कार्नवालिस था।
- स्थायी बन्दोबस्त 1793 ई0 में लागू किया।
- 1793 का कार्नवालिस संहिता शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धान्त पर आधारित था। इससे कर तथा न्याय प्रशासन को पृथक कर दिया।
- कार्नवालिस एकमात्र गवर्नर जनरल है जिसकी समाधि भारत में गाजीपुर में स्थित है।

सर जॉन शोर (1793-98 ई०)

इसने मैसूर के प्रति अहस्तक्षेप की नीति का पालन किया। जॉन शोर ने ही जमींदारों को भूमि का वास्तविक स्वामी माना था।

लार्ड वेलजेली (1798 - 1805 ई0)

- यह 37 वर्ष की आयु में गवर्नर जनरल बना।
- सहायक सन्धि व्यवस्था को लागू किया। सन्धि स्वीकार करने वाले राज्यों के वैदेशिक सम्बन्ध अंग्रेजी राज्य के अधीन हो जाता है।
- 1800 ई0 में कलकत्ता में फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना नागरिक सेवा में (I.C.S) भर्ती के प्रशिक्षण हेतु किया गया।

जार्ज बार्लो (1805 ई०):

इसने अहस्तक्षेप की नीति का कड़ाई से पालन किया तथा मराठों के प्रति शान्तिपूर्ण नीति अपनायी।

लार्ड मिंटो (1807-13 ई0)

- इसके समय रणजीत सिंह के साथ 1809 ई0 में अमृतसर की संधि हुई। अंग्रेजों की ओर से चार्ल्स मेटकॉफ ने हस्ताक्षर किया।

लार्ड हेस्टिंग्स (1813 – 23)

- इसके समय अहस्तक्षेप की नीति का परित्याग कर दिया गया।
- आंग्ल नेपाल युद्ध 1816 ई0 के संगौली की संधि के समय समाप्त हो गया।
- पिंडारियों को दमन, तृतीय मराठा युद्ध के साथ मराठा संघ का अन्त इत्यादि महत्वपूर्ण घटना गठित हुई।

लार्ड एम्हर्स्ट (1823-28 ई०)

- यह भारत का पहला ऐसा गवर्नर जनरल था जो मुगल सम्राट अकबर द्वितीय से 1827 ई0 में बराबरी के स्तर पर मिला।
- इसके समय प्रथम आंग्ल वर्मा युद्ध (1824-26 ई0) लड़ा गया। युद्ध का समापन 1826 ई0 के याण्डबू की संधि से हुआ।

लार्ड विलियम बैंटिक (1828–35 ई0)

- 1829 ई0 में सती प्रथा का अन्त नियम xvii द्वारा हुआ।
- ठगी प्रथा का अन्त करने के लिए कर्नल स्लीमन की नियुक्ति 1830 ई०, तक ठगी प्रथा का अन्त हो गया।
- सरकारी सेवाओं में भेद-भाव का अन्त 1833 ई० के चार्टर एक्ट की धारा 87 के द्वारा।
- कलकत्ता मेडिकल कॉलेज 1835 की स्थापना।
- बैंटिक ने ही सर्वप्रथम 'सम्भागीय आयुक्तों की नियुक्ति की।

चार्ल्स मेटकॉफ (1835-36 ई०)

- समाचार-पत्रों से प्रतिबंध हटा दिया।
- समाचार-पत्रों के मुक्ति दाता के नाम से प्रसिद्ध।

लार्ड ऑक्लैण्ड (1836-42 ई०)

- प्रथम आंग्ल अफगान युद्ध (1838-42 ई०)।

लार्ड एलनबरो (1842-44 ई0)

- 1843 ई0 में सिन्ध का विलय।
- 1843 ई0 अधिनियम 5 द्वारा दास प्रथा का अन्त।

लार्ड हार्डिंग (1844-48 ई०)

- प्रथम आंग्ल सिक्ख युद्ध।
- नरबलि का दमन।

लार्ड डलहौजी (1848-56 ई0)

- यह 36 वर्ष की अवस्था में भारत का गवर्नर जनरल बना जिसके समय निम्न कार्य हुए –
- पंजाब का विलय (1852 ई0)
- द्वितीय आंग्ल वर्मा युद्ध (1852 ई०) लोअर वर्मा तथा पीगू का विलय कर लिया गया।
- डलहौजी ने 1850 ई0 में सिक्किम के दूरवर्ती प्रदेश को भारत में मिला लिया।
- व्यपगत का सिद्धांत या राज्य हड़प नीति का प्रतिपादन किया।
- 1852 ई0 में पहली बार कलकत्ता से आगरा के बीच तार सेवा शुरू किया।
- 1854 ई0 में पहली बार डाक टिकटों का प्रचलन प्रारम्भ हुआ।
- सार्वजनिक निर्माण विभाग की स्थापना।
- लोक शिक्षा विभाग की स्थापना।

लार्ड कैनिंग (1856–62 ई0)

- यह भारत का अंतिम गवर्नर जनरल तथा प्रथम वायसराय था।
- 1857 का विद्रोह।
- 1857 ई0 में कलकत्ता, बम्बई तथा मद्रास में विश्वविद्यालयों की स्थापना हुई।
- 1858 की विक्टोरिया घोषणा द्वारा कम्पनी का शासन सीधे ब्रिटिश ताज के हाथों में चला गया।

- भारतीय दण्ड संहिता की स्थापना 1861 ई0 में कैनिंग के समय हुई थी।

लार्ड एल्गिन प्रथम (1862-63 ई०):

- वहाबियों के आंदोलन को दबाने में सफलता मिली।
- इनकी मृत्यु 1863 ई0 में पंजाब में हुई।

सर जॉन लॉरेन्स (1864-68 ई०)

- अफगानिस्तान में लॉरेन्स ने अहस्तक्षेप नीति का अनुपालन किया।
- 1865 ई0 में भारत व यूरोप के मध्य समुद्री टेलीग्राफ सेवा शुरू हुई।
- कैम्पवेल के नेतृत्व में अकाल समिति का गठन हुआ।
- भूटान को युद्ध में पराजित किया।

लार्ड मेयो (1869-72 ई0)

- 1871 ई0 में जनगणना कार्य प्रारम्भ हुआ।
- 1872 ई0 में कृषि विभाग की स्थापना।
- 1872 ई0 में कूका विद्रोह हुआ।
- अजमेर में 1872 ई0 में मेयो कॉलेज की स्थापना हुई।
- पोर्ट ब्लेयर में इसकी हत्या हुई।

लार्ड लिटन (1876–80 ई0)

1876 से 78 ई० तक अकाल पड़ा। 1878 ई० में रिचर्ड स्ट्रेची की अध्यक्षता में प्रथम अकाल आयोग नियुक्त किया गया। इस आयोग ने प्रत्येक प्रान्त में अकाल कोष (Famine fund) बनाने की सलाह दी।

- प्रथम दिल्ली दरबार 1 जनवरी 1877 ई0 को आयोजित हुआ था।
- वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट 1878 ई० द्वारा भारतीय भाषा के समाचार पत्रों पर प्रतिबंध लगाया गया।
- सिविल सेवा परीक्षा की उम्र 21 वर्ष से घटाकर 19 वर्ष कर दी गई।
- 1878-80 ई0 के बीच द्वितीय अफगान युद्ध हुआ।
- भारतीय शस्त्र अधिनियम 1878 पारित हुआ।

लार्ड रिपन (1880-84 ई0)

- 1852 में रिपन ने पुस्तक युग का कर्तव्य (Duty of age) लिखी थी।
- प्रथम वास्तविक जनगणना 1881 ई0 में रिपन के काल में हुई थी।
- रिपन का काल स्थानीय स्वायत्य शासन के जन्म का काल भी माना जाता है।
- 1881 ई0 में प्रथम फैक्ट्री अधिनियम इसी के समय पारित हुआ।
- 1882 ई0 में हण्टर कमीशन का गठन हुआ।

- वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट को 1882 ई० में समाप्त कर दिया गया।
- इल्बर्ट बिल विवाद 1884 ई0 में रिपन के समय हुआ । इल्बर्ट बिल विवाद के कारण ही रिपन ने कार्य काल समाप्त होने के पूर्व ही त्यागपत्र दे दिया।
- 1883 की अकाल संहिता रिपन के समय में बनी।
- इसने नगरों में नगर पालिका का गठन किया।

लार्ड डफरिन (1884–88 ई०):

- 1885 ई0 में बंगाल में 'टेनेन्सी एक्ट' पारित हुआ।
- 1885 ई0 में कांग्रेस की स्थापना डफरिन के काल में हुई थी।
- 1887 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय की स्थापना हुई थी।

लार्ड लेंसडाउन (1888-94 ई0):

- 1891 ई0 में दूसरा फैक्ट्री अधिनियम पारित हुआ। जिसके तहत स्त्रियों को 11 घंटे प्रतिदिन से अधिक काम करने पर प्रतिबन्ध लगाया गया।
- 1892 ई0 का इण्डियन कौंसिल एक्ट पारित किया गया। जिसके द्वारा भारत में निर्वाचन का सिद्धान्त का प्रारम्भ हुआ।
- इन्हीं के समय 1893 ई0 में भारत और अफगानिस्तान के बीच डूरण्ड रेखा निश्चित की गयी।

लार्ड एल्गिन द्वितीय (1894 - 99 ई0)

- एल्गिन ने घोषणा की कि हमने भारत को तलवार के बल पर जीता है और तलवार के बल पर ही इसे अधीन रखेंगें।
- विवेकानन्द द्वारा रामकृष्ण मिशन और मठ की स्थापना हुई।

लार्ड कर्जन (1899-1905 ई0)

- 1899-1900 ई0 के बीच अकाल पड़ा। इसके लिए कर्जन ने सर एण्टोनी मैकडोनाल्ड की अध्यक्षता में एक अकाल आयोग गठित किया गया।
- 1901 ई0 में सर कालिन स्काट मानक्रीक की अध्यक्षता में एक सिंचाई आयोग नियुक्त किया गया।
- 1902 ई0 सर एण्ड्रयू फ्रेजर की अध्यक्षता में एक पुलिस आयोग गठित किया गया।
- 1903 ई0 में पुलिस विभाग में CID (CRIMINAL INVESTIGATION DEPARTMENT) की स्थापना की गई।
- 1902 ई0 में सर टॉमस रैले की अध्यक्षता में वि० वि० आयोग गठित किया गया।
- 1899 ई0 में भारतीय टंकण तथा मुद्रण अधिनियम के अनुसार अंग्रेजी पौण्ड भारत में विधिग्राह बन गया।
- 1900 ई0 में लार्ड किचनर भारत के सेनाध्यक्ष होकर आया। किचनर विवाद के कारण ही इसने त्यागपत्र दे दिया।
- 1904 ई0 में तिब्बत में 'यंग हस्बैंड' का अभियान भेजा गया।
- 1905 ई0 में बंगाल का प्रथम विभाजन किया।

लार्ड मिण्टो द्वितीय (1905-10 ई0)

- 1906 ई0 में ढाका में मुस्लिम लीग की स्थापना हुई।
- 1906 ई0 में कलकत्ता अधिवेशन में कांग्रेस द्वारा 'स्वराज' को लक्ष्य घोषित किया गया।
- 1907 ई0 में कांग्रेस का सूरत अधिवेशन में विभाजन

- 1909 ई0 मार्ले- मिण्टों सुधार अधिनियम 1909 ई० पारित किया गया।
- बाल गंगाधर तिलक को राजद्रोह के आरोप में 22 जुलाई 1908 ई0 को गिरफ़्तारी एंव 6 वर्ष की सजा दी गयी।

लार्ड हार्डिंग द्वितीय (1910-16 ई0)

- 1912 ई० में ब्रिटिश राजधानी कलकत्ता से दिल्ली स्थानान्तरित की गई।
- 1914-18 ई० तक प्रथम विश्व युद्ध हुआ।
- 1916 ई0 में वाराणसी में मदन मोहन मालवीय द्वारा बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय की स्थापना की गई।
- 1913 ई0 में रवीन्द्रनाथ टैगोर को नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- तिलक व बेसेन्ट द्वारा होमरूल लीग की स्थापना की गई।

लार्ड चेम्सफोर्ड (1916-21 ई0)

- 1916 ई0 में डी0 के0 कर्वे द्वारा महिला विश्वविद्यालय की स्थापना पूना में की गई।
- कलकत्ता वि० वि० की जाँच के लिये 1917 ई0 में सैडलर आयोग की नियुक्ति की गयी।
- 1919 ई0 का रॉलेट एक्ट पारित हुआ।
- 13 अप्रैल 1919 ई0 को जलियांवाला बाग हत्याकाण्ड हुआ।

लार्ड रीडिंग (1921-26 ई०)

- केरल में मोपला विद्रोह 1921 में हुआ।
- 1920 ई0 में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना ताशकंद मे मानवेंद्र नाथ राय ने की थी।
- 1923 ई0 में प्रशासनिक सेवाओं में उम्मीदवारों के चयन के लिए दिल्ली और लंदन में एक साथ परीक्षा की व्यवस्था की गई।
- 9 अगस्त 1925 ई0 को प्रसिद्ध काकोरी षड्यंत्र केस हुआ।

लार्ड इरविन (1926–31 ई0)

- 1927 ई0 में साइमन कमीशन की नियुक्ति की गयी।
- 1928 ई0 साइमन कमीशन भारत आया।
- 1928 ई० लखनऊ में सर्वदलीय सम्मेलन का आयोजन।
- 1929 ई0 में कृषि में रॉयल कमीशन की नियुक्ति।
- 1929 ई0 लाहौर षड्यंत्र केस में गिरफ्तार जतिन दास की 64 दिन की भूख हड़ताल के बाद जेल में मृत्यु हो गयी।
- 1929 ई0 के लाहौर अधिवेशन में कांग्रेस ने पूर्ण स्वराज का प्रस्ताव पारित।
- 12 मार्च 1930 ई० को गांधी जी द्वारा अपनी प्रसिद्ध दाण्डी यात्रा (नौसारी जिला) प्रारम्भ हुआ।
- 6 अप्रैल को दाण्डी पहुंचकर नमक कानून को तोड़ा।
- 5 मार्च 1931 ई0 को गांधी-इरविन समझौता हुआ।
- कांग्रेस द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग के लिए तैयार हुई।

लार्ड विलिंग्टन (1931-36 ई0)

- 1 सितम्बर - 1 दिसम्बर 1931 ई0 तक द्वितीय गोलमेज सम्मेलन का आयोजन लंदन के जेम्स पैलेस में हुआ।
- 16 अगस्त 1932 ई० को साम्प्रादायिक पंचाट (Communal award) की घोषणा रैम्से मैकडोनाल्ड द्वारा किया गया।

- दिसम्बर 1932 को तृतीय गोलमेज सम्मेलन का आयोजन हुआ।
- 1932 ई0 में इण्डियन मिलेट्री अकादमी देहरादून की स्थापना हुई।
- 1933 ई0 में कैम्ब्रिज वि० वि० के छात्र चौधरी रहमत अली द्वारा 'पाकिस्तान' शब्द का प्रयोग किया गया।
- 1934 सविनय अवज्ञा आन्दोलन प्रारम्भ।
- 1932 ई0 का भारत शासन अधिनियम पारित हुआ।

लार्ड लिनलिथगों (1936-44 ई0)

- 1935 के अधिनियम के तहत आम चुनाव 1936-37 के मध्य हुआ। चुनाव में 6 प्रान्तों में कांग्रेस को पूर्ण बहुमत मिला 2, अन्य प्रान्तों में सर्वसमर्थन से सरकार बनायी।
- द्वितीय विश्व युद्ध के समय कांग्रेस मंत्रिमण्डल में अक्टूबर 1939 ई0 में त्यागपत्र दे दिया।
- 22 दिसम्बर 1939 ई० को लीग ने मुक्ति दिवस मनाया।
- 1939 में सुभाष चन्द्र बोस द्वारा 'फारवर्ड ब्लॉक' का गठन किया गया।
- 17 अक्टूबर 1940 ई० में गांधी जी द्वारा पवनार आश्रम में व्यक्तिगत सत्याग्रह प्रारम्भ।
- 17 दिसम्बर में स्थगित।
- मई 1940 ई0 में विस्टन चर्चिल ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बने।
- 1942 में क्रिप्स मिशन भारत आया।
- लीग ने 1944 ई0 में करांची अधिवेशन में पृथक् राज्य की मांग की।

लार्ड वेवेल (1944-47 ई0)

- शिमला सम्मेलन 25 जून 1945 को वेवेल ने बुलाया।
- 1945 ई0 में ब्रिटेन में लेबर पार्टी के क्लीमेंट एटली प्रधानमंत्री बने।
- 19 फरवरी 1946 ई0 को कैबिनेट मिशन की घोषणा तथा 24 मार्च 1946 को कैबिनेट मिशन दिल्ली पहुंचा।
- लीग द्वारा 16 अगस्त 1946 को सीधी कार्यवाही दिवस मनाया गया।
- 9 दिसम्बर 1946 को संविधान सभा की पहली बैठक हुई।
- 2 सितम्बर 1946 को नेहरू के नेतृत्व में अन्तरिम सरकार का गठन।
- 20 फरवरी 1947 को प्रधानमंत्री एटली द्वारा 30 जून 1948 तक भारतीयों को सत्ता सौंपने की घोषणा की गयी।

लार्ड मांउट बेटन (1947-48 ई०):

- 3 जून 1948 ई० को मांउटबेटन प्लान की घोषणा की गयी।
- 2 जुलाई 1947 को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एटली द्वारा ब्रिटिश संसद में भारतीय स्वतंत्रता विधेयक प्रस्तुत किया गया।
- 1947 में 2 सीमा निर्धारण आयोग गठित किया गया, 1 बंगाल विभाजन हेतु, दूसरा पंजाब विभाजन हेतु। दोनो के अध्यक्ष सायरिल रेडक्लिफ थे।
- 14 अगस्त को पाकिस्तान तथा 15 अगस्त को भारत स्वतंत्र हुआ।

सी० राजगोपालाची (1948-50 ई0)

- भारत के अन्तिम गवर्नर जनरल।
- 26 नवम्बर 1949 ई० को संविधान सभा द्वारा भारत के संविधान का अंगीकरण किया गया।

- 26 जनवरी 1950 ई० को संविधान लागू हुआ।
- संविधान लागू होने के बाद गवर्नर जनरल का पद समाप्त हो गया तथा डॉ० राजेन्द्र प्रसाद भारत के प्रथम राष्ट्रपति नियुक्त किये गये।